बिल्म दस्तावेज | बजि० बुक | कल्पद | वीच बुक

श्री .... पुत्र श्री ....
पेशा .... निवासी ....
ने यह लेख पत्र कार्यालय उप निबन्धक-I
आगरा में मय फोटो स्टेट के आज दिनांक ....
समय समय .... बजे दिन के प्रस्तुत किया।

उप निबन्धक, प्रथम
आगरा

इस लेख पत्र के निष्पादन से मुद० ....
जिनमें से मु० .... पेशतर पाकर एवं ....
.... नकद मेरे समक्ष प्राप्त कर श्री ....
ने स्वीकार किया।

श्री .... पुत्र श्री ....
पेशा .... निवासी ....
ने यह लेख पत्र कार्यालय उप निबन्धक-I
आगरा में मय फोटो स्टेट के आज दिनांक ....
समय समय .... बजे दिन के प्रस्तुत किया।

उप निबन्धक, प्रथम
आगरा

निवासी ....
व श्री .... पुत्र श्री ....
पेशा .... निवासी ....
ने की।

उप निबन्धक

Sushma Jain

निष्पादक/विक्रेता अंगूठा चिन्ह विधिवत लिये गये।

उप निबन्धक, आगरा

INDIA NON JUDICIAL

५००० रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पांच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

।ब।

मैसर्स अजन्ता डेरी (रजिस्टर्ड भागीदारी फर्म) कार्यालय स्थित 5, कृष्णाकुंज लोहामण्डी घाट आगरा द्वारा अधिकृत भागीदार श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल पुत्र स्व० लाला बाबूराम अग्रवाल निवासी कोठी लोहामण्डी शहर आगरा---------------------------------क्रेता द्वितीयपक्ष है।

Dinesh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs5000

सत्यमेव जयते
भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

विदित हो कि बजरिये बैनामा मविक्ता भारत स्टोर्स लि० आगरा मौसूमा श्री रामदास मुवरिखा २३-११-१९४५ व मुसदिका रजिस्टरी के अपने निजी धन से उक्त श्री रामदास ने एकजमीन पिलाट नम्बरी ४ (चार) रकबा ८३२ वर्गगज अर्थात् ६९५.६३ वर्गमीटर वाके कृष्ण कुंज मजरा मौजा गैलाना

Dinesh Chand

Sushma Jain

मुहाल गंगा मुतसिल परगना व जिला आगरा खरीदा और कुछ समय पश्चात् उक्त श्री रामचन्द्र ने उक्त खरीद कर्दा प्लाट को कारिये हिबेनामा नविश्ता शुद मुवर्रिखा २०-११-१९६१ व मुसद्दिका रजिस्टरी के बहक उक्त श्री दिनेशचंद जैन व श्री सुमत चन्द जैन (उपनाम श्री अनिल कुमार जैन) नाबालिगान

Dinesh Chand

Dinesh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

पुत्रगण श्री सुमेरचंद जैन द्वारा कुदरती वलिया श्री सुमेरचंद जैन के नाम हिबे कर दी और मौहूबअलाहान को बजरिये वली मौसूफ के उक्त मोहूबा जमीन पर कब्जा व दखल दे दिया और मालिक व काबिज बना दिया । बाद में उक्त श्री दिनेशचन्द उक्त श्री रामदास के दत्तक पुत्र बनाये गये और उक्त

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

श्री सुमतचन्द जैन उपनाम अनिल कुमार जैन का विवाह उक्त श्रीमती सुषमा जैन से हुआ जिनसे उन्हें उक्त तीन संतान प्राप्त हुई। कालवश श्री अनिल कुमार जैन उर्फ सुमतचन्द जैन का दिनांक २-१-१९८८ को आगरा में स्वर्गवास हो गया और इस प्रकार अब प्रथमपक्ष उक्त प्लाट

Umesh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL
५०००रू. Rs 5000
सत्यमेव जयते
भारत
पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

व उस पर बनी हुई सम्पत्ति के मालिक व काबिज हैं। श्री दिनेशचन्द जैन व श्री अनिल कुमार जैन ने उक्त पिलाट को दान में प्राप्त करके उस पर एक मंजिली जायदाद नम्बरी ४२।१३२८-ए लोहामण्डी वार्ड आगरा तामीर कराई जिसमें अधिकांश भाग में टीनशेड पड़े हैं और बहुत कम पक्की इमारत

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

बनी है । इस प्रकार इस जायदाद के प्रथमपक्ष अकेले पूर्णतः मालिक व काबिज हैं अन्य कोई वारिस या दावेदार आदि किसी भी प्रकार का नहीं है कि जो प्रथमपक्ष को उक्त जायदाद को बेचने आदि से रोक सके तथा प्रथमपक्ष की उक्त जायदाद आज तक प्रत्येक प्रकार के ऋण-विक्रय-दान-जमानत-सौदे-दावे-झगड़े-हुक्मइम्तनाई आदि से कतई पाक व साफ है ।

Dinesh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५००० रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

विदित हो कि चूंकि प्रथमपक्ष की उक्त जायदाद बहुत पुराने समय की बनी है और अभी जीर्ण शीर्ण हालत एवं जर्जर अवस्था में है और उनकी मरम्मत वगैरा में हर साल काफी रुपया लगता है और प्रथमपक्ष क उससे कोई खास लाभ नहीं है तथा मुख्य रास्ते से काफी हटकर स्थित हैं अ

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

प्रथमपक्ष को अपने कारोबार की जरूरत व तरक्की व नाबालिगान की उक्ति पढ़ाई-खाने-पीने की व्यवस्था आदि के लिये रुपया की जरूरत है अत: प्रथमपक्ष स्वेच्छा तथा व परामर्श उक्त श्री सुरेशचंद जैन के अपनी उक्त जायदाद को बाजार में अधिक से अधिक मूल्य पर बेचना चाहते हैं और

Suresh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

वर्तमान में द्वितीयपक्ष अपनी आवश्यकता के लिये बाजार के अन्य खरीदारों की अपेक्षा सबसे अधिक कीमत अदा कर रहे हैं जिसमें प्रथमपक्ष का पूरा-पूरा लाभ है । अत: प्रथमपक्ष अपनी उक्त जायदाद को द्वितीयपक्ष के हक में बेचने के लिये तैयार है ।

Sushma Jain

5000RS.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

विदित हो कि प्रथमपक्ष व उनके परिवारीजन नगर भूमि अधिकतम सीमारोपण एवं विनियमन अधिनियम सन् १९७६ की धारा ५(३) व१०(४) से प्रतिबंधित नहीं हैं और धारा ४ की सीमा के अतिरिक्त कोई रिक्त भूमि उनके पास नहीं है और उक्त जायदाद का कोई भाग किसी भी सीलिंग वाद

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५००० रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

मे अतिरिक्त रिक्त भूमि घोषित नहीं किया गया है तथा उसका कोई भी भाग नजूल या राजकीय आस्थान का नहीं है तथा उक्त मूल विक्रेताभाग प्रथमपक्ष के पास मौजूद है । यद्यपि श्री सुमेरचंद जैन का उक्त जायदाद में कोई हक या दावा आदि नहीं है और न उन्होंने अपना

हस्ताक्षर-वि० प्र० निष्पादक

हस्ताक्षर-वि० प्र० निष्पादक

INDIA NON JUDICIAL

५००० रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

[illegible] के [illegible] जायदाद मजकूर की बाबत कोई इंतकाल वगैरा किये फिर भी यह क्रेता द्वितीयपक्ष के अधिकारों की सुरक्षा के लिये एवं वास्तविक तथ्यों की पुष्टि के लिये कार गवाह के इस बैनामा में शामिल हुये हैं ।

INDIA NON JUDICIAL

५००० रु.   Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये   FIVE THOUSAND RUPEES

अत: प्रथमपक्ष ने स्वेच्छा तथा प्रसन्नता पूर्वक [illegible] मन बुद्धि [illegible] के बिला बहकाये सिखाये बवाब नाजायज के खूब सोच समझकर जायदाद मज़कूर को साथ तमाम हदूद व हकूक दाखिली व खारिजी मय [illegible] बिला छोड़े किसी वस्तु या अधिकार के बाजारी कीमत से

T

Dinesh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

बिलमुक्ता व एवज ४,९०,०००) चार लाख नब्बे हजार रुपया कि आधे जिसके २,४५,०००) दो लाख पैंतालीस हजार रुपया होते हैं नकद पेशगी अदा की है। उक्त क्रेता द्वितीयपक्ष के गुड टायटिल से बैय करदी और बेच दी ।

INDIA NON JUDICIAL

५००० रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

प्रथमपक्ष ने कीमत का कुल रुपया द्वारा दो चिता बैंकर्स चैक स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया राजामण्डी आगरा दिनांक २७-१०-१९९५ ~~प्र~~ चैक तादादी २,४५,०००) रुपया एक नम्बरी ७६१६८१ बनाम दिनेशचंद जैन व दोयमी नम्बरी ७६१६८२ बनाम सुषमा जैन के वक्त रजिस्टरी बैनामा हाजा के

Dinesh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

गया द्वितीयपक्ष से वसूल पाना करार पाया । इस तरह अब प्रथमपक्ष को कोई रुपया पाना बाकी नहीं है और न कोई ताल्लुक व सरोकार किसी भी किस्म का जायदाद मुवैया से रहा और न आयंदा होगा । प्रथमपक्ष ने जायदाद मुवैया पर से अपना कब्जा व दखल हटाकर द्वितीयपक्ष

Suresh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

का करा दिया और द्वितीयपक्ष को जायदाद मुबैया का मालिक मुस्तकिल व काबिज बना दिया तथा शुद्ध टायटिल दे दिया । अब द्वितीयपक्ष को पूरा अधिकार है कि वह जायदाद मुबैया से बहैसियत मालिक व काबिज के चाहे जैसे लाभ उठावे क्रय-विक्रय-दान-[illegible] आदि जो चाहे सो करे । उसमें

Jumesh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

सुधार-परिवर्तन आदि करावे और चाहे जिस प्रकार इस्तेमाल में लावे और नामांकन सम्बंधित विभागों आदि में करालें, प्रथमपक्ष अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे । आज तक के कुल बकाया टेक्स व चार्ज आदि प्रथमपक्ष अदा करेंगे और आज के बाद के द्वितीयपक्ष अदा करेंगे।

Dinesh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.　Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये　FIVE THOUSAND RUPEES

यदि भविष्य में कभी कोई वारिस या दावेदार किसी भी किस्म का बावत जायदाद मुबैया पैदा होकर कोई दावा व झगड़ा द्वितीयपक्ष से करे और उसमें कारण या प्रथमपक्ष के डिफेक्टिव टायटिल से या नाबालिगान की ओर से दौरान नाबालिगी या बाद हासिल करने

Sumesh Chand　　Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५००० रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पांच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

वलूगियत के किसी दावे या झगड़े से कब्जा या दखल या स्वामित्व जायदाद मुबैया का क्रेता द्वितीयपक्ष से निकल जावे तो उन कुल की जवाबदेही व जिम्मेदारी व अदा करना जरेसमन का मय सूद व हरजा व खर्चा के व जिम्मे जात खास व जायदाद हर किस्म प्रथमपक्ष व

Jitmesh Chand

Sushma Jain

वारिसान प्रथमपक्ष के है और आयंदा होगा और इसमें प्रथमपक्ष व वारिसान प्रथमपक्ष को कभी कुछ उजर नहीं होगा ।

Suresh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पांच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

उक्त बैनामा असल व अनिल कुमार का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रथमपक्ष ने द्वितीयपक्ष के सुपुर्द कर दिया है । बैनामा हाजा का जुमला खर्चा द्वितीयपक्ष के जिम्मे है । जायदाद मुबैया एक मंजिली बनी है और सन् १९८१-८२ के असैसमेंट में ३००० रुपया साल पर असेस है और जिस पर ३६१) रुपया साल

Umesh Chand

Sushma Jain

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000 रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

हाउस टैक्स आयद है जिसमें १२८ वर्गमीटर में पक्की इमारत तथा ६० वर्गमीटर में बड़ा टीन शेड तथा २३ वर्गमीटर में छोटा टीन शेड बना है जो मौजूदा वक्त में ३०००रूपया साल अनुमानित आमदनी किराये की है जायदाद मुबैया की सीमायें इस प्रकार हैं -

Michael

Sushma Jain

पूरब--जायदाद द्वितीयपक्ष ।
पश्चिम--जायदाद द्वितीयपक्ष।

Umesh Chand

Sushma Jain

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

उत्तर-रास्ता, एक तरफ निकास आदि जायदाद मुवेया के हैं।

दक्षिण-जायदाद द्वितीयपक्ष ।

Subhash Chand

Sushma Jain

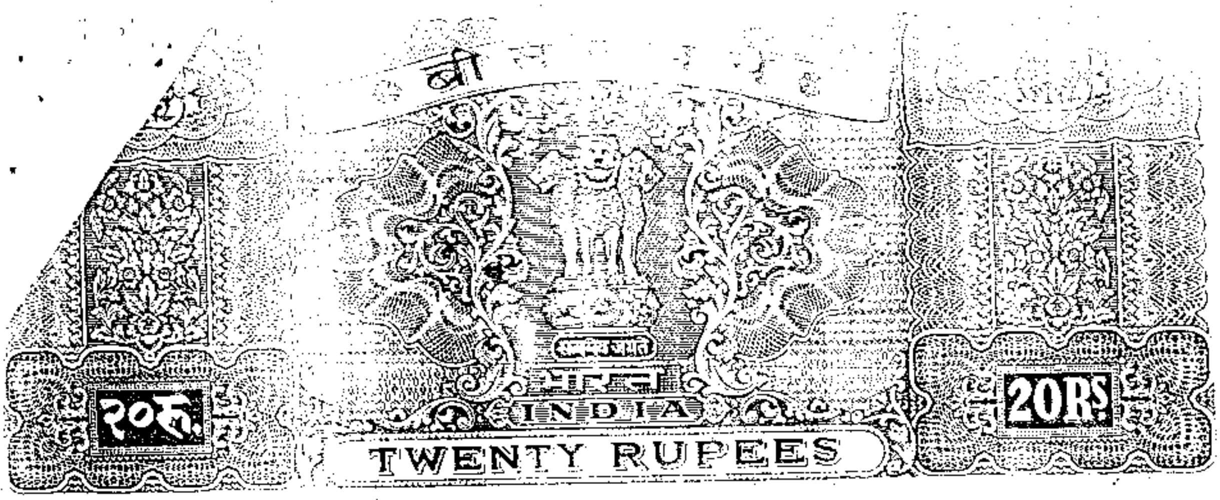

अत: यह बैनामा लिख दिया कि सनदरहे और समयपर काम आवे ।

Jainesh Chand   Sushma Jain

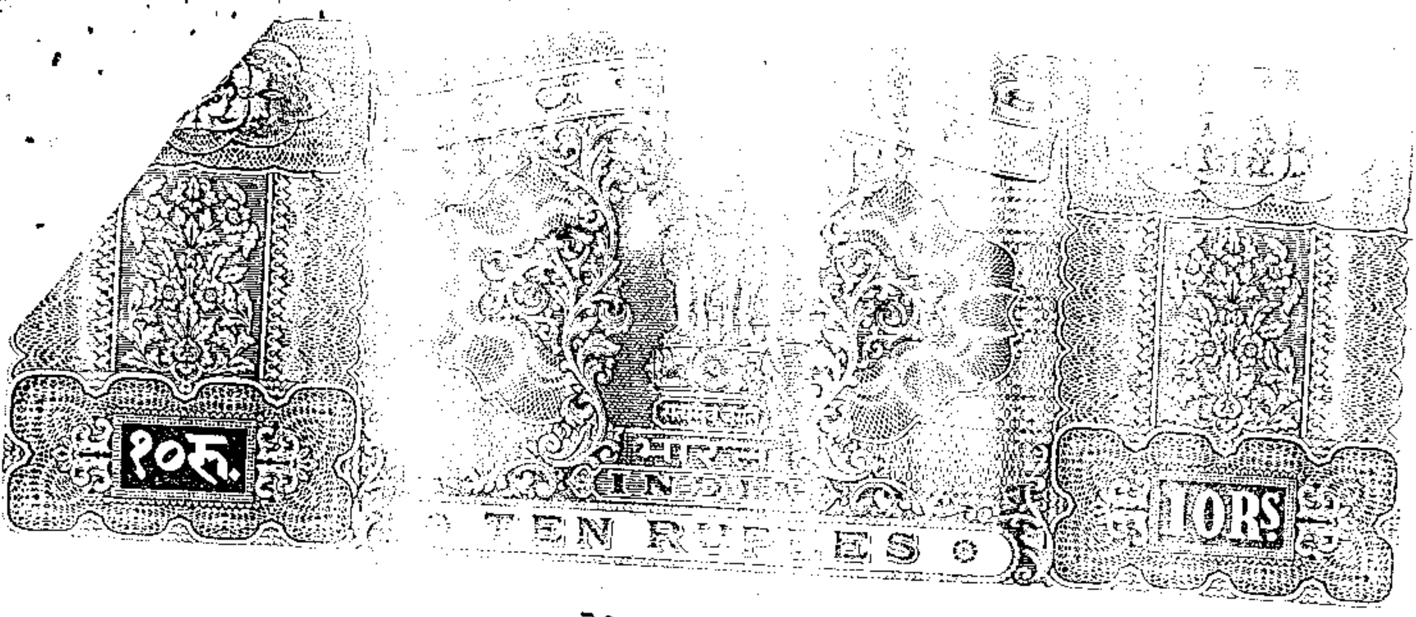

नोट-पर्त २५ की सतर ३ में (मौजूदा) व पर्त २२ की सतर २ में (जायदाद) व पर्त ८ की सतर ४ में (जायदाद) व पर्त १३ की सतर ३ में (मौजूद) व इसी सतर में (श्री) गब्दे हैं व पर्त १५ की सतर १ में पन के बाद का शब्द कटा है व पर्त १६ की सतर ४ में दान व आदि के बीच का शब्द कटा है व पर्त २६ की सतर १ में (मौजूदा) गब्दे हैंजो मंजूर हैं। लेख दिनांक - २८-१०-१९९५ई० ।

Subhash Chand

Sushma Jain

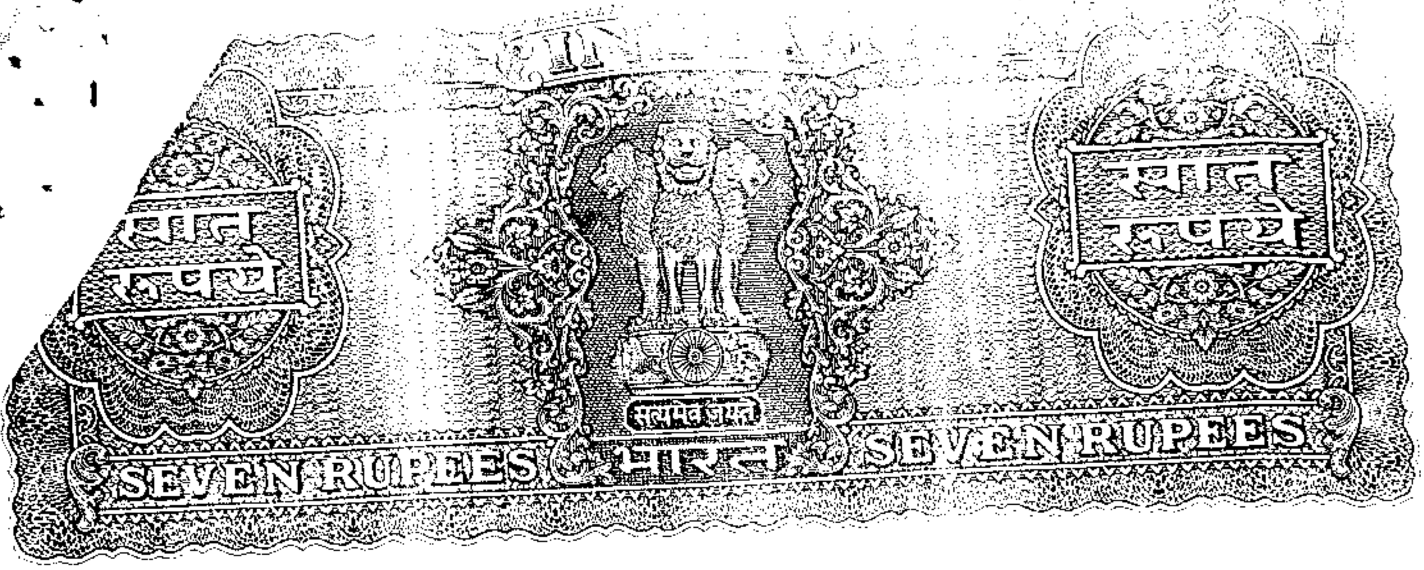

बमसौदा - पं० हनुमानप्रसाद कौशल निवासी नूरीदरवाजा आगरा ।

टायपकाई० पूरनचन्द शर्मा तहसील परिसर आगरा।

[illegible] लेखक [illegible] हनुमान प्रसाद कौशिक
अनुज्ञप्ति संख्या [illegible]
स्थान-आगरा, [illegible]
[illegible] लेखक के हस्ताक्षर [illegible]

साक्षी श्री [illegible]
पुत्र श्री [illegible]
निवासी [illegible]
हस्ताक्षर नि० [illegible]

साक्षी श्री [illegible]
पुत्र श्री [illegible]
निवासी [illegible]
हस्ताक्षर नि० [illegible]

Vish[illegible] Vihari
S. V. T [illegible] AGRA
Lic. No. 18

पंजीकृत संख्या 2763 दिनांक 28/10/95

[illegible]

पंजीकृत संख्या 2403 दिनांक 30/7/96

[illegible] रजिस्ट्री

[illegible] 30/7/96 [illegible]

[illegible] 2129

[illegible] 77 [illegible] 2392

116

[illegible]